Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

अर्थशास्त्र की प्रकृति एवं क्षेत्र
(Nature and Scope of Economics)

DDE

Programme
B.A. General

Class:
B.A. Part -I

Subject:
Economics

Lesson No. 1

Dr. Mohinder Paul Mathur
Directorate of Distance Education
Kurukshetra University,
Kurukshetra

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

अर्थशास्त्र की प्रकृति एवं क्षेत्र
(Nature and Scope of Economics)

❖ भूमिका (Introduction)

किसी भी विषय का सुचारू रूप से अध्ययन करने के लिए उसके क्षेत्र का ज्ञान आवश्यक है। क्षेत्र की जानकारी से ही पता चलता है कि विषय का अध्ययन वस्तु क्या है?, उसकी प्रकृति तथा सीमाएं क्या है? आधुनिक अर्थशास्त्रियों ने अर्थशास्त्र के क्षेत्र के अध्ययन में निर्मनिलिखित तीन बातों का अध्ययन किया है:-

- ➢ अर्थशास्त्र की विषय सामग्री (Subject matter of Economics)
- ➢ अर्थशास्त्र की प्रकृति (Nature of Economics)
- ➢ अर्थशास्त्र की सीमाएं (Limitations of Economics)

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

❖ उद्देश्य (OBJECTIVE)

इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को अर्थशास्त्र की विषय वस्तु, अर्थ शास्त्र की प्रकृति एंव अर्थशास्त्र की सीमाओं का बोध कराना है।

❖ अर्थशास्त्र की विषय सामग्री (Subject matter of Economics)

➢ **अर्थशास्त्र क्या है? (What is Economics?)**

➢ अर्थशास्त्र की विषय-सामग्री का संकेत इसकी परिभाषा से मिलता है।

➢ प्रसिद्ध अर्थशास्त्री **एडम स्मिथ** (Adam Smith) ने अपनी पुस्तक (An Enquiry into the Nature and the Causes of the Wealth of Nations) जो 1776 में प्रकाशित हुई में अर्थशास्त्र को धन का विज्ञान माना है।

➢ **डॉ. एल्फ्रेड मार्शल** (Dr. Alfred Marshal) ने 1890 में प्रकाशित अपनी पुस्तक अर्थशास्त्र के सिद्धान्त (Principles of Economics) में अर्थशास्त्र को कल्याण सम्बन्धी परिभाषा देकर इसको लोकप्रिय बना दिया।

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

- ब्रिटेन के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री **लार्ड राबिन्स** (Lord Robbins) ने अपनी पुस्तक, "An Essay on the Nature and Significance of Economic Science" जो 1932 में प्रकाशित हुई थी अर्थशास्त्र को दुर्लभता का सिद्धान्त माना है। इस सम्बन्ध में उनका मत है कि मानवीय आवश्यकताएं असीमित है। तथा उनको पूरा करने के साधन सीमित है। तथा साधनों का वैकल्पिक प्रयोग है।
- आधुनिक अर्थशास्त्री **सैम्यूलसन** (Samuelson) ने अर्थशास्त्र को विकास का शास्त्र (Science of Growth) कहा है।
- अतः हम कह सकते है कि अर्थशास्त्र वह शास्त्र है जिसमें मनुष्य की आवश्यकताओं की अधिकतम सन्तुष्टि करने व कल्याण बढाने तथा आर्थिक विकास के लिए अनेक उपायों वाले सीमित साधनों के कुशलतम उपभोग, उत्पादन एवं विनिमय से सम्बन्धित कार्यों का अध्ययन किया जाता है।

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

❖ आर्थिक चक्र (Economic Circle)

- मनुष्य की आवश्यकताएं असीमित है।
- आवश्यकताओं की सन्तुष्टि के लिए प्रयत्न किया जाता है।
- सभी आवश्यकताओं को पूरा करना असम्भव होता है।
- क्योंकि उनको पूरा करने के लिए साधन सीमित होते है।

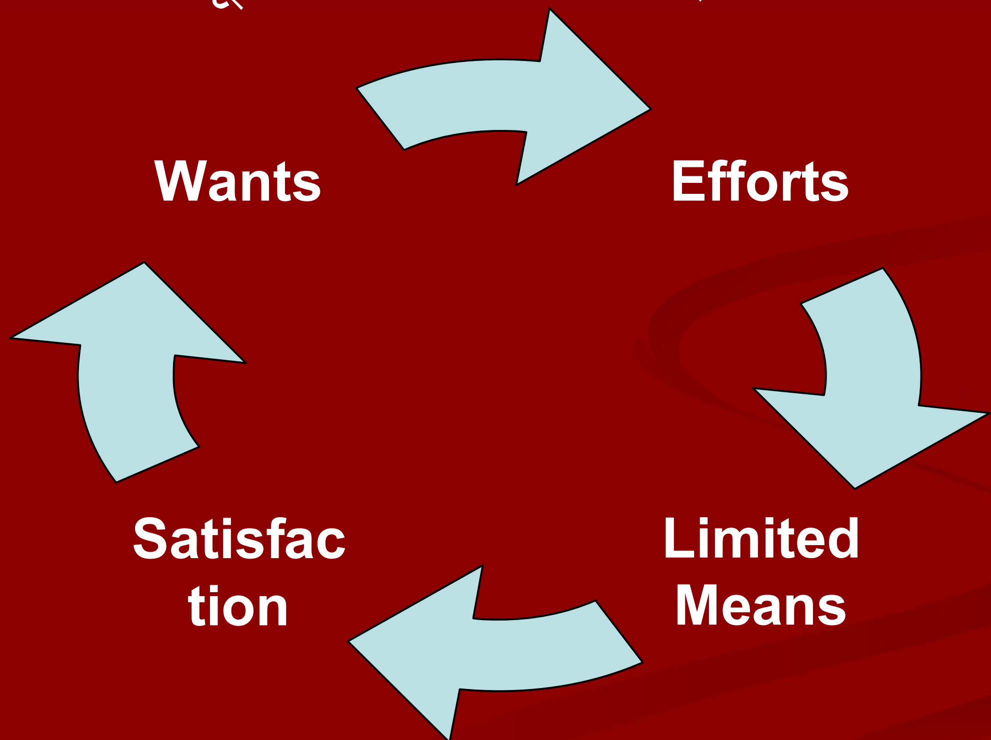

ECONOMIC CIRCLE

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

आर्थिक क्रियांए

अर्थशास्त्र की विषय सामग्री के सम्बन्ध में आर्थिक क्रियाओं का वर्णन भी जरूरी है। इन क्रियाओं को पांच भागों में बांटा जा सकता है।

- उत्पादन (Production)
- उपभोग (Consumption)
- विनिमय (Exchange)
- वितरण (Distribution)
- राजस्व (Public Finance)

आर्थिक क्रियाओं के उद्देश्य के आधार पर 1933 में सर्वप्रथम रेगनर फ्रिश (Prof. Ragnor Frisch) ने अर्थशास्त्र को दो भागों में बांटा।

- व्यक्तिगत अर्थशास्त्र (Micro Economics)
- समष्टिगत अर्थशास्त्र (Macro Economics)

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

➢आर्थिक प्रणालियां (Economic Systems)

आर्थिक प्रणाली एक ऐसी प्रणाली है जिसके अन्तर्गत विभिन्न व्यवसायों में काम करके लोग अपनी जीविका कमाते है। आर्थिक क्रियाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए प्रत्येक देश अलग-अलग आर्थिक प्रणाली अपनाता हैं। आर्थिक प्रणालियों को मुख्य रूप से तीन भागों में बांटा गया है।

- ➢पूंजीवादी अर्थव्यवस्था (Capitalistic Economy)
- ➢समाजवादी अर्थव्यवस्था (Socialistic Economy)
- ➢मिश्रित अर्थ व्यवस्था (Mixed Economy)

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

➢ आर्थिक नीतियां (Economic Policies)

प्रत्येक देश चाहे वह किसी भी आर्थिक प्रणाली के अन्तर्गत काम करता है। उसको विभिन्न आर्थिक समस्याओं जैसे गरीबी-धन व आय की असमानता, बेरोजगारी, मुद्रा स्फीति व मन्दी आदि का सामना करना पडता हैं इन समस्याओं के समाधान के लिए वह विभिन्न नीतियों को अपनाता है। मुख्य आर्थिक नीतियां इस प्रकार है।

- ➢ मौद्रिक नीति (Movement Policy)
- ➢ राजकोषीय नीति (Fiscal Policy)
- ➢ कीमत नीति (Price Policy)
- ➢ आय नीति (Income Policy)
- ➢ रोजगार नीति (Employment Policy)
- ➢ आर्थिक योजना (Economic Planning)

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

अर्थशास्त्र की प्रकृति

प्रो. सैम्यूलसन के अनुसार अर्थशास्त्र कला समूह में प्राचीनतम तथा विज्ञान समूह में नवीनतम वस्तुतः सभी सामाजिक विज्ञानों की रानी है। (Economics is the oldest of the arts, the newest of sciences - indeed the queen of all the social sciences)

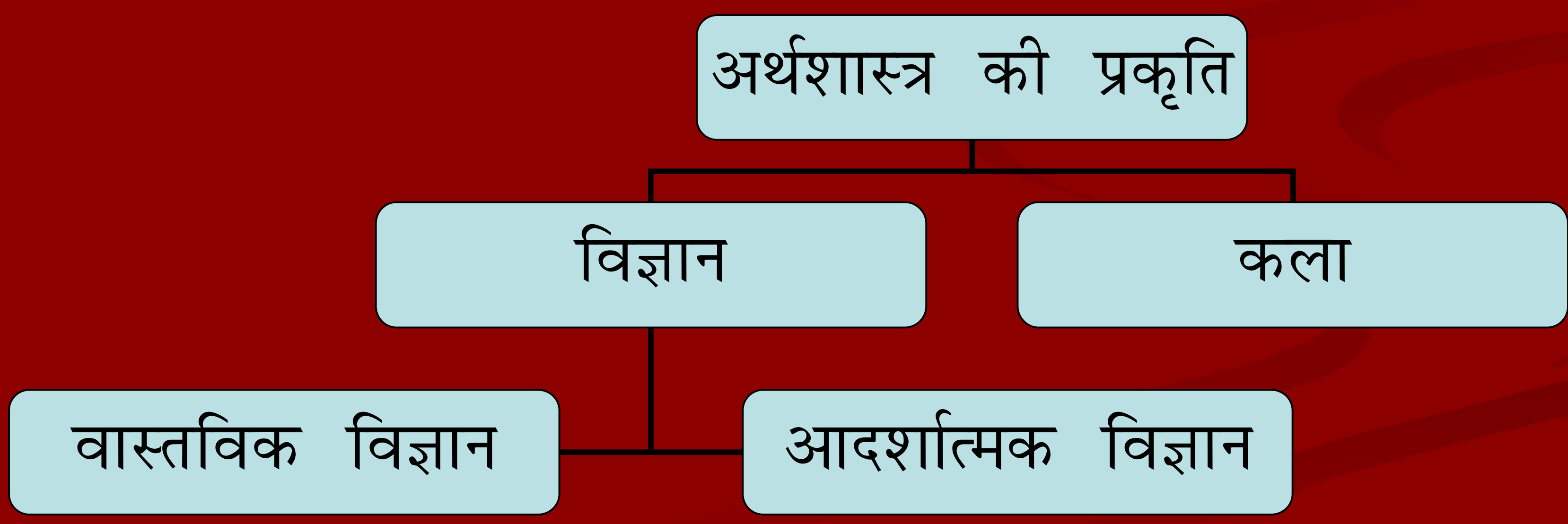

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

❖ विज्ञान की विशेषताएं

- क्रम बद्ध अध्ययन
- तथ्यों का माप
- विज्ञान के नियम कारण और परिणाम में सम्बन्ध करते है।
- सत्यता की जांच
- सार्वभौमिक नियम

ये सभी विशेषताएं अर्थशास्त्र में पाई जाती हैं अतः अर्थशास्त्र एक विज्ञान है।

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

❖ अर्थशास्त्र कला के रूप

किसी निश्चित उदेश्य की प्राप्ति के लिए ज्ञान का व्यवहारिक प्रयोग कला कहलाता है।

- कल्पनाओं का महत्व
- सिद्धान्तों की रचना
- आर्थिक सिद्धान्तों की जांच
- आर्थिक समस्याओं का समाधान
- अर्थशास्त्र का कला संकाय में अध्ययन होता है।

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com   For evaluation only.

❖ अर्थशास्त्र की सीमाएं (Limitations of Economics)

केवल मानवीय क्रियाओं का अध्ययन

- सामाजिक मनुष्य का अध्ययन
- वास्तविक मनुष्य का अध्ययन
- आर्थिक क्रियाओं का अध्ययन
- सामान्य मुनष्य का अध्ययन
- कानूनी सीमा के अन्तर्गत आने वाले व्यक्तियों का अध्ययन
- दुर्लभ पदार्थो का अध्ययन
- आर्थिक नियम कम निश्चित होते है।
- विज्ञान तथा कला

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

- **अर्थशास्त्र का महत्व (Importance of Economics)**

  अर्थशास्त्र का सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक महत्व है

- **सैद्धान्तिक महत्व**
  - ज्ञान में वृद्धि
  - तर्कशक्ति में वृद्धि
  - सिद्धान्तों में वृद्धि
  - विश्लेषण शक्ति में वृद्धि
  - अन्य शास्त्रों से सम्बन्ध का ज्ञान

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

❖ व्यावहारिक महत्व (Practical Importance)

- उपभोक्ताओं को लाभ
- उत्पादकों को लाभ
- श्रमिकों को लाभ
- व्यापारियों को लाभ
- सरकार को लाभ
- समाजसुधारकों को लाभ
- राजनीतितिज्ञों को लाभ
- विद्यार्थियों को लाभ
- वैज्ञानिकों को लाभ
- प्रबन्धकों को लाभ

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

THANK YOU

इससे सम्बधित जानकारी के लिए सम्पर्क करें: 9416413126